BA Part - 2 (Hons.) By: Dr. Minki Singh
Paper - 4th Assistant Professor (Guest)
Home Science Department of Home Science
SNSRKS, College, Saharsa

TOPIC: पारिवारिक आय के साधन

(Source of Family Income)

पारिवारिक आय के प्रमुख तीन प्रकार है :

पारिवारिक आय के विभिन्न साधन

(Various Source of Family Income)

पारिवारिक आय को तीन मुख्य भागों में बाटा गया है -

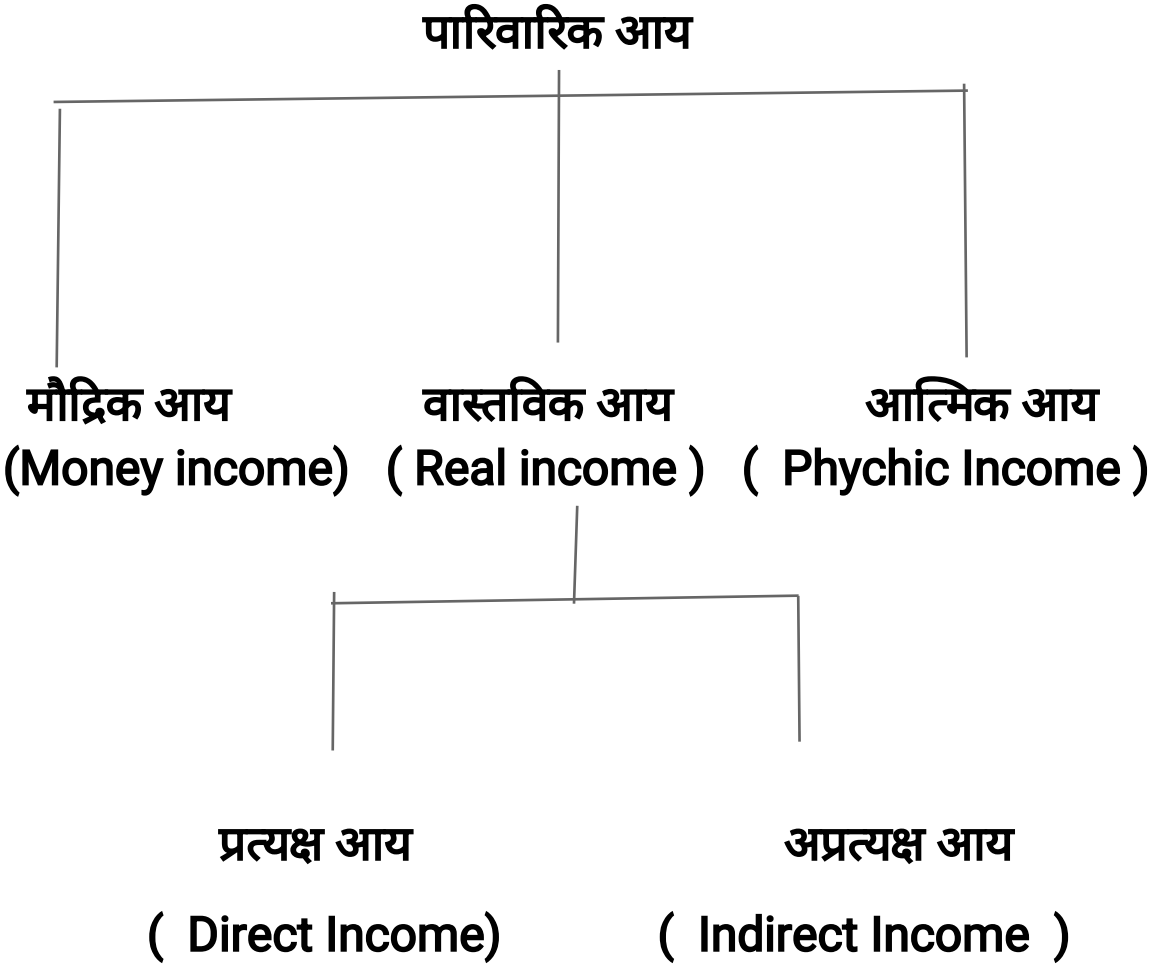

मौद्रिक आय (Money income)–

जो आय किसी परिवार को मुद्रा के रूप में एक निश्चित समय से प्राप्त होती है, मौद्रिक आय कहलाती है | ग्रॉस एवं क्रेडिंल के शब्दों में, "मौद्रिक आय से

तात्पर्य उस क्रयशक्ति से है जो मुद्रा के रूप में किसी निश्चित समय में एक परिवार को प्राप्त होती है |

मौद्रिक आय आर्थिक प्रयत्नों द्वारा प्राप्त होती है जो कार्य धन अर्जित करने के लिए किये जाते है जिन कार्यों को करने से हमको आय प्राप्त होती है, आर्थिक कार्य (Economic activities) कहलाते है | कभी परिवारों के बिना आर्थिक प्रयत्न किये भी मौद्रिक आय प्राप्त हो जाती है जैसे पैतृक संपत्ति से किराया, लगान आदि | मौद्रिक आय को प्राप्त करने के स्त्रोत व्यवसाय, व्यापर, उधोग एवं नौकरी होते है | मौद्रिक आय परिवारों की मजदूरी (WAGEG), वेतन (SALARY), ब्याज, लाभ, उपहार,

पेंशन बीमारी दुर्घटना से प्राप्त लाभ, पुस्तकों की रॉयल्टी आदि से प्राप्त होती है |

वास्तविक आय (Real income)--

वास्तविक आय वस्तुओं एवं सेवाओं से प्राप्त होती है जो मौद्रिक आय को व्यय करने से प्राप्त होती है | ग्रास एवं क्रैंडल के शब्दों में "वास्तविक आय वस्तुओं एवं सेवाओं के उस प्रवाह को कहते है जो एक परिवार को एक निश्चित समय में उपयोग के लिए प्राप्त होता है | "

प्रत्यक्ष आय (Direct income)--

प्रत्यक्ष आय का अर्थ उन समस्त वस्तुओं एवं सेवाओं से होता है जो एक

परिवार को बिना मुद्रा व्यय किये हुए प्रत्यक्ष रूप से उपयोग के लिए प्राप्त होती है | यदि किसी फर्म में कार्य करने वाले मैनेजर को मौद्रिक आय के अतिरिक्त रहने के लिए मुफ्त में मकान मिलता है तो यह उसकी प्रत्यक्ष वास्तविक आय हुई | इसी प्रकार घर के बगीचे से फल एवं सब्जियों, सिलाई मशीन से कपड़े सिलने की उपयोगिता, घर आदि वस्तुओं से प्राप्त आय | परिवार के सदस्यों द्वारा की गई सेवाएँ जैसे खाना बनाना, सफाई करना, पब्लिक पुस्तकालय से पुस्तकें एवं समाचारपत्र पढ़ने की सुविधा, वस्तुओं को खरीदने का समुचित आदि इसी आय के स्त्रोत है | पुलिस व्यवस्था, पार्क, निःशुल्क शिक्षा, स्वस्थ्य सेवाएँ आदि भी इसी के अंतर्गत आती है |

अप्रत्यक्ष आय (Indirect income)--

अप्रत्यक्ष वास्तविक आय के अंतर्गत वह वस्तुओं एवं सेवाएं सम्मिलित है जिनको मौद्रिक आय के माध्यम से प्राप्त किया जाता है | जैसे कपड़ा खरीदते समय टिकाऊ एवं सस्ता कपड़ा खरीदना, भोजन की पौष्टिक सामग्री खरीदना, यदि कपड़ा मजबूत और टिकाऊ ख़रीदा जाता है तो वह अधिक समय तक अपनी सेवाएँ प्रदान करता है जिसके फलस्वरूप हमकों बार-बार कपडा न खरीदने से कुछ बचत हो जाती है |

वास्तविक आय के कुछ तत्त्वों के द्वारा निर्धारित होती है -

(1) मौद्रिक आय की मात्रा (2) मुद्रा की क्रय-शक्ति | (3) कुशल गृह प्रबंधन | (4) मौद्रिक आय के अतिरिक्त अन्य सुविधाओं की उपलब्धि जैसे मकान, स्वास्थ्य सेवाएँ, पुलिस सेवाएँ आदि | (5)वस्तुओं एवं सेवाओं का उचित उपभोग | (6)परिवार के सदस्यों द्वारा उपभोग्य वस्तुओं का उत्पादन |

(7)सरकार एवं अन्य संस्थाओं द्वारा प्रदान की गई जनोपयोगी सेवाएँ |

दो व्यक्तियों की मौद्रिक आय में समानता होते हुए भी उनकी वास्तविकता आय में भिन्नता हो सकती है क्योंकि वस्तविक आय व्यक्तिगत कुशलता एवं बुद्धिमत्ता पर निर्भर करता है | वस्तुओं के चुनाव, आय-व्यय के उचित नियोजन एवं क्रय सम्बन्धी कुशलता वास्तविक आय में वृद्धि करते है |

--मानसिक आय को देखा नहीं जा सकता है, केवल अनुभव किया जा सकता है | वस्तुओं के उपभोग से जो मानसिक संतुष्टि मिलती है वही मानसिक आय होती है | ग्रास एवं क्रैंडल के शब्दों में, "मानसिक आय से तात्पर्य एक निश्चित समय में एक परिवार को मौद्रिक और वास्तविक आय के उपभोग से प्राप्त संतोष से होता है "